Re: Establishment of AIIMS in Saharasa, Bihar

श्री दिनेश चन्द्र यादव (मधेपुरा): बिहार राज्य के उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र में सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, खगड़िया, पूर्णियाँ, कटिहार, अररिया एवं किशनगंज जिले अत्यंत पिछड़ें है। इन क्षेत्रों में किडनी, कैंसर, हृदय, लीवर एवं अन्य गंभीर बीमारियों के रोगी काफी बड़े पैमाने पर हैं। इन क्षेत्रों में कोई अच्छा अस्पताल नहीं है। गरीबी के कारण लोग बाहर जाकर इलाज नहीं करा पाते हैं और तड़पतड़प कर मर जाते हैं। उत्तर बिहार का प्रमुख शहर सहरसा प्रमंडलीय मुख्यालय है। यह NH एवं बड़ी रेल लाईन से जुड़ा हुआ है। जिला पदाधिकारी, सहरसा ने सहरसा में एम्स निर्माण करने के लिए 217.74 एकड़ जमीन उपलब्ध होने की जानकारी बिहार सरकार को दी थी। लेकिन राज्य सरकार द्वारा दरभंगा मेडिकल कॉलेज के बगल में एम्स निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराई गयी थी। MCI दिल्ली ने उस जमीन को एम्स के लिए अनुपयोगी मानकर अस्वीकृत कर दिया। जानकारी मिली है कि दरभंगा एम्स के लिए पुनः जो जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। वह 15-20 फीट गड्ढे में है। दरभंगा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है, उक्त स्थल पर एम्स निमार्ण होने से वह सदा असुरक्षित रहेगा एवं उसकी उपयोगिता सार्थक नहीं होगी। मेरा आग्रह है कि सरकार जनहित में उत्तर बिहार के सहरसा में एम्स का निर्माण करायें ।